an>

Title: Need to install sewage treatment plants along the river banks to clean the Ganga river.

श्रीमती रीती पाठक (सीधी) : माननीय अध्यक्ष जी, गाय, गंगा व गीता भारत जैसे सांस्कृतिक राष्ट्र की पहचान हैं और उसकी अस्मिता की बात रखती हैं। फिर तो गंगा मां हमारी जीवनी शक्ति भी है और जीवन दात्री भी।

एक ओर गंगा मां का जल जहां हमारे जीवन के लिए जीवनी स्रोत है वहीं दूसरी ओर कृषि ऊर्जा उत्पादन की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। इसके फलस्वरूप गंगा की रक्षा व उसका निर्बाध प्रवाह राष्ट्र के हितों के लिए बहुत आवश्यक है। 'गंगा तव दर्शनार्थ मुक्ति।' यह एक सूक्ति नहीं है, मंत्र है जिसे गंगा के दर्शन के बाद स्मरण किया जाता है किंतु मां गंगा की आज की जो दशा है, वह विचारणीय है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आज आपके माध्यम से जो विषय रखने जा रही हूं, यूं तो हमारी सरकार ने गंगा के उत्थान के लिए अलग मंत्रालय बनाकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है परंतु आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी से उनका ध्यान इस ओर आकर्षित कराना चाहूंगी कि गंगा के किनारे बसे शहरों से निकलने वाले नालों पर लगे हुए सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की समुचित व्यवस्था कराएं जिससे उनसे निकलने वाला जो गंदा पानी है, जो गंगा के पानी को दूषित कर रहा है, वह दूषित न कर पाए। इसके साथ ही इनके आधुनिकीकरण की भी व्यवस्था कराई जाए और उनसे निकलने वाले गंदे पानी को रोका जाए।

माननीय अध्यक्ष :

श्री शरद त्रिपाठी,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल,

श्री पी.पी.चौधरी,

श्री रोड़मल नागर,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

डॉ. मनोज राजोरिया को श्रीमती रीती पाठक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।